



यूनेस्को का रचनात्मक शहरों का नेटवर्क

संदर्भ: कोझिकोड को 'साहित्य का शहर' और ग्वालियर को 'संगीत का शहर' के रूप में यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क (क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क) में शामिल किया गया है।

➤ कोझिकोड

- कोझिकोड, जिसे कालीकट के नाम से भी जाना जाता है, भारत के केरल राज्य का एक शहर है। यह एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाला एक ऐतिहासिक शहर है, जो साहित्य, संगीत, कला और वास्तुकला के लिए जाना जाता है।
- कोझिकोड को 2023 में यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क में शामिल किया गया था, "साहित्य" श्रेणी में। यह भारत का पहला शहर है जिसे इस श्रेणी में मान्यता दी गई है।
- कोझिकोड निगम की 2014 में 'साहित्य का शहर' प्राग विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी ने शहर की वैश्विक साहित्यिक महत्वाकांक्षाओं को उजागर किया।
- प्राग विश्वविद्यालय के एक शोध छात्र लुडमिला कोलोचोवा द्वारा किए गए एक तुलनात्मक अध्ययन ने कोझिकोड की साहित्यिक क्षमता को प्रकट किया, जिसमें इसके 500 पुस्तकालयों और 70 प्रकाशकों को बताया गया।
- यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क में शामिल होने से कोझिकोड को अपनी साहित्यिक विरासत को बढ़ावा देने और एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर इसे साझा करने के लिए एक अवसर मिलेगा। यह शहर के लिए पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में भी मदद करेगा।

➤ ग्वालियर

- 'संगीत का शहर' के रूप में जाना जाने वाला ग्वालियर में तानसेन और बालकृती बावरा जैसी उल्लेखनीय हस्तियों से जुड़ी एक समृद्ध संगीत विरासत है।
- यह प्रसिद्ध ग्वालियर घराने का जन्मस्थान है, जो सबसे पुराने हिंदुस्तानी संगीत घराने में से एक है।
- ग्वालियर की संगीत संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम और आयोजन किए जाते हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय तानसेन संगीत समारोह, ग्वालियर संगीत समारोह और ग्वालियर लोक संगीत समारोह शामिल हैं।
- ग्वालियर को मुख्य रूप से इसके रणनीतिक स्थान के कारण भारतीय सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से एक 'स्मार्ट सिटी' के रूप में नामित किया गया है, जो इसे भारत में प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों और लोकप्रिय पर्यटन सर्किट से जोड़ता है।

➤ UCCN

- प्रारंभ वर्ष:** 2004
- पात्रता:** यूनेस्को का सदस्य राज्य और सहयोगी सदस्य होना।
- अद्यतन समय:** इस सूची को हर 2 साल में एक बार अपडेट किया जाता है।
- कुल शहर (2023):** 100 से अधिक देशों में फैले 350 शहर इसमें शामिल हैं।
- उद्देश्य:** स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक गतिविधियों, उत्पादों, सेवाओं और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने का लक्ष्य, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 11 (SDG 11) स्थायी शहरों और समुदायों के साथ संरेखित करना।
- UCCN के सात रचनात्मक क्षेत्र:**
 - शिल्प और लोक कला
 - डिजाइन
 - फ़िल्म
 - गैस्ट्रोनॉमी
 - साहित्य
 - मीडिया कला
 - संगीत
- UCCN में भारतीय शहर:**
 - शिल्प और लोक कला:** जयपुर (2015), श्रीनगर (2021)
 - डिजाइन:** कोई भारतीय शहर सूचीबद्ध नहीं है
 - फ़िल्म:** मुंबई (2019)
 - गैस्ट्रोनॉमी:** हैदराबाद (2019)
 - साहित्य:** कोझिकोड (2023) - 'साहित्य का शहर' पदनाम प्राप्त करने वाला पहला भारतीय शहर।
 - मीडिया कला:** कोई भारतीय शहर सूचीबद्ध नहीं है
 - संगीत:** चेन्नई (2017), वाराणसी (2015), ग्वालियर (2023)
- चयनित शहर 2024 में पुर्तगाल के ब्रागा में आयोजित होने वाले UCCN वार्षिक सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसका विषय 'Bringing youth to the table for the next decade' ('अगले दशक के लिए युवाओं को मेज पर लाना') है।

भारत-श्रीलंका ईटीसीए

संदर्भ: भारत और श्रीलंका ने आर्थिक और प्रौद्योगिक सहयोग समझौते (ईटीसीए) के पुनरुद्धार के लिए बातचीत फिर से शुरू कर दी है।

- कोलंबो में भारत और श्रीलंका के बीच आर्थिक और प्रौद्योगिक सहयोग समझौते (ईटीसीए) का 12वां दौर आयोजित किया गया।

Face to Face Centres





- वर्ष 2016 से वर्ष 2018 के बीच वार्ता के 11 दौर सम्पन्न हुए थे।
- प्रमुख चर्चाओं में व्यापार, प्रौद्योगिकी और विवाद समाधान आदि पहलू शामिल हैं।
- चल रही वार्ता में परिधान कोटा, काली मिर्च और दवा खरीद जैसे विषय शामिल हैं।
- दोनों पक्षों का लक्ष्य नए विकास को प्रतिबिंबित करने के लचीलेपन के साथ ईटीसीए के लिए पूर्व प्रगति को आगे बढ़ाना है।
- ईटीसीए से व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिलने की संभावना है।
- **पृष्ठभूमि:**
 - 1998 में भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया गया था।
 - सेवाओं और निवेश में व्यापार को उदार बनाने के उद्देश्य से एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (CEPA) करने के प्रयास 2005 के मध्य में शुरू हुए थे।
 - सीईपीए वार्ता को श्रीलंका के भीतर, विशेषकर व्यापारिक समुदाय के विरोध के कारण लंबे समय तक देरी का सामना करना पड़ा।
 - भारत अब मौजूदा एफटीए पर निर्माण करते हुए, एक नए व्यापार समझौते, आर्थिक और तकनीकी सहयोग समझौते (ETCA) का प्रयास कर रहा है।
- **ईटीसीए के उद्देश्य:**
 - भारत और श्रीलंका के बीच आर्थिक, व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग को मजबूत और आगे बढ़ाना।
 - निष्पक्ष, पारदर्शी और सुविधाजनक व्यापार और निवेश तंत्र स्थापित करते हुए वस्तुओं और सेवाओं में व्यापार को और उदार बनाना है।
 - आर्थिक सहयोग का विस्तार करना और सहयोग तंत्र स्थापित करना।
- **ईटीसीए के बारे में मुख्य बिंदु:**
 - ETCA ने CEPA की जगह ली है, जिससे भारत के साथ आर्थिक साझेदारी बढ़ेगी।
 - यह सेवाओं में व्यापार और तकनीकी आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित करता है, जो सीईपीए में नहीं था।
 - यह संस्थानों के बीच तकनीकी क्षेत्रों, वैज्ञानिक विशेषज्ञता और अनुसंधान में सहयोग को बढ़ावा देगा।
 - इसका वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, जनशक्ति प्रशिक्षण में तेजी लाने और मानव संसाधन विकास के अवसरों में सुधार के लिए वस्तुओं एवं सेवाओं का स्तर बढ़ाने का लक्ष्य है।
 - यह त्रिकोमाली में नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और नए व्यावसायिक क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करता है।
 - भारत ईटीसीए को भारतीय निवेश के माध्यम से श्रीलंका के युद्धोत्तर आर्थिक विकास में भाग लेने के एक तरीके के रूप में देखता है।
 - श्रीलंकाई सरकार का उद्देश्य भारत की आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत होना है, भारत के "मेक इन इंडिया" पहल का लाभ उठाकर विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देना है।

अनुकूलित ऋण वित्तपोषण

संदर्भ: REC लिमिटेड ने वाणिज्यिक खनन, खान विकासकर्ताओं और ऑपरेटरों के लिए अनुकूलित ऋण वित्तपोषण (Customized Debt Financing) पर केंद्रित एक कार्यशाला आयोजित की।

- **ऋण वित्तपोषण और इक्विटी वित्तपोषण**
 - ऋण वित्तपोषण में एक कंपनी व्यक्तिगत और/या संस्थागत निवेशकों को ऋण प्रतिभूतियां बेचकर अपनी परिचालन जरूरतों या पूंजीगत निवेश के लिए धन प्राप्त करती है।
 - धन उपलब्ध कराने के बदले में, ये निवेशक कंपनी के ऋणदाता बन जाते हैं और एक प्रतिबद्धता प्राप्त करते हैं कि उधार ली गई राशि ब्याज सहित चुका दी जाएगी।
 - वित्तीय बाजारों से पूंजी जुटाने का एक वैकल्पिक तरीका इक्विटी वित्तपोषण है, जिसमें जनता को एक पेशकश में स्टॉक के शेयर जारी करना शामिल है। यह ऋण वित्तपोषण से अलग है।
- **ऋण वित्तपोषण में अनुकूलन**
 - ऋण राशि, ब्याज दर, पुनर्भुगतान संरचना और संपार्श्विक सहित समायोज्य सुविधाओं के साथ, ऋण वित्तपोषण में अनुकूलन संभव है।
 - अनुकूलन को हमेशा संबद्ध जोखिम प्रोफाइल पर विचार करना चाहिए।
 - प्रत्येक कंपनी की विशिष्ट स्थितियां, जैसे वित्तीय स्वास्थ्य, नकदी उपलब्धता, भुगतान स्थिरता, परियोजना समयसीमा और वित्तीय संस्थानों के साथ संबंध, ऋण उत्पादों के अनुकूलन को प्रभावित करते हैं।
 - उधार लेने वाली कंपनियां या तो एक पहले से मौजूद उत्पाद ढूंढ सकती हैं या किसी उत्पाद को अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के इच्छुक ऋणदाता के साथ सहयोग कर सकती हैं।
 - **प्रकार:**
 - **राशि अनुकूलन:** व्यवसाय की वित्तीय जरूरतों और पुनर्भुगतान क्षमता के साथ संतुलित करने के लिए ऋण राशि को तैयार करना, एक इष्टतम संतुलन सुनिश्चित करना।
 - **पुनर्भुगतान पैटर्न अनुकूलन:** कंपनी के नकदी प्रवाह और व्यापार चक्र के अनुरूप पुनर्भुगतान अनुसूची को अपनाना जैसे बुलेट भुगतान, त्रैमासिक भुगतान या राजस्व-लिंकड भुगतान आदि।
 - **समायोज्य ब्याज दरें:** नकदी प्रवाह को प्रबंधित करने के लिए निश्चित या फ्लोटिंग ब्याज दरों के बीच चयन करना, निश्चित दरें निश्चितता प्रदान करती हैं और फ्लोटिंग दरें नीतिगत परिवर्तनों का जवाब देती हैं।
 - **परिशोधन बनाम परिक्रामी सीमाएँ:** व्यवसाय की आवश्यकताओं के आधार पर टर्म लोन और रिवाँल्विंग क्रेडिट लाइनों के बीच चयन, रिवाँल्विंग क्रेडिट लाइनों के साथ ड्रॉडाउन और रिपेमेंट की अनुमति देता है।
 - **पूर्वभुगतान लचीलापन:** ऋण का पूर्वभुगतान करने की क्षमता की पेशकश, लेकिन लॉक-इन अवधि और पूर्वभुगतान दंड पर विचार करते हुए, अपेक्षित नकदी प्रवाह के साथ संरेखित करना।

Face to Face Centres





रिट्रीटिंग मानसून

संदर्भ: दक्षिण भारत की वर्षा के लिए महत्वपूर्ण, पूर्वोत्तर मानसून 1901 के बाद से "छटा सबसे कमजोर मानसून" रहा।

रिट्रीटिंग मानसून (लौटता हुआ मानसून)

- रिट्रीटिंग मानसून, जिसे नॉर्थईस्ट मानसून या पोस्ट-मानसून सीजन के रूप में भी जाना जाता है, दक्षिण-पश्चिम मानसून के बाद आता है और अक्टूबर से शुरू होता है।
- इस अवधि के दौरान, हवाओं की दिशा बदल जाती है, जिससे आसमान साफ हो जाता है और आर्द्रता का स्तर कम हो जाता है।
- रिट्रीटिंग मानसून दक्षिण भारत के लिए वर्षा का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, जिसमें तमिलनाडु, पुडुचेरी और तटीय आंध्र प्रदेश जैसे क्षेत्र शामिल हैं।
- यह मौसम बंगाल की खाड़ी में चक्रवात और डिप्रेशन ला सकता है, जिससे भारी बारिश और बाढ़ से भूस्खलन की संभावना भी बनी रहती है।
- यह पूरे देश में धीरे-धीरे घटते तापमान के साथ भारत में सर्दी के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है।
- कृषि और संबंधित गतिविधियाँ रिट्रीटिंग मानसून पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं, जो फसल कटाई और सर्दियों के आगमन का समय है।

रिट्रीटिंग मानसून के दौरान जलवायु

- तापमान:** लौटता हुआ मानसून भारत में सर्दियों के मौसम की शुरुआत करता है, जिससे आसमान साफ होने के साथ तापमान में गिरावट आती है।
- वायु:** रिट्रीटिंग मानसून के दौरान हवाएँ बंगाल की खाड़ी से नमी प्राप्त करती हैं, जो स्थानीय दबाव की स्थिति से प्रभावित होती हैं।
- दबाव:** मानसून के दक्षिण की ओर बढ़ने पर दाब प्रवणता कम हो जाती है।
- वर्षा:** दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र, जैसे तमिलनाडु और पूर्वोत्तर भारत, पर्याप्त वर्षा प्राप्त करते हैं, जो वार्षिक वर्षा के लगभग आधे हिस्से में योगदान देता है।
- आर्द्रता:** वर्षा कम हो जाती है परंतु तटीय क्षेत्रों में आर्द्रता का स्तर अपेक्षाकृत उच्च रहता है।
- मेघ आवरण:** आमतौर पर, लौटते हुए मानसून के दौरान आसमान साफ रहता है, लेकिन छिटपुट बादल छाए रहने से गरज और चक्रवाती गतिविधियाँ हो सकती हैं।

Parameters	Southwest Monsoon	Retreating Monsoon
Duration	June to September	October to November
Meaning	Arrival of moisture-laden winds	Transition after the withdrawal of the monsoon
Movement of Winds	Sea to land, bringing widespread rain	Land to sea, with limited rainfall effects
Direction of wind	Northeast	Towards South-West
Type of Wind	Moist Winds	Dry Winds
Amount of Rainfall	Brings significant rainfall	May result in cyclones and rainfall in the east
Impacted Regions	Western and northeastern regions	Eastern slopes of Western Ghats, plains, etc.

मौसम के दौरान चक्रवात

- हिंद महासागर, विशेष रूप से बंगाल की खाड़ी, सबसे तीव्र और विनाशकारी उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को जन्म देती है।
- अक्टूबर से नवंबर की शुरुआत तक की अवधि में चक्रवातों की आवृत्ति सबसे अधिक होती है।
- तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित कमजोर तटीय क्षेत्रों को गंभीर तूफानों का अधिक खतरा रहता है।
- भारत के पूर्वी तट पर 15 डिग्री उत्तरी अक्षांश के दक्षिण में उत्पन्न होने वाले चक्रवात अरब सागर में पहुंचने से पहले दक्षिणी प्रायद्वीप को पार कर सकते हैं।
- हालांकि वे इस यात्रा के दौरान कमजोर हो सकते हैं, लेकिन वे अरब सागर में फिर से प्रवेश करने पर आर्द्रता प्राप्त कर लेते हैं और चक्रवाती तूफानों में बदल जाते हैं।

अक्टूबर की गर्मी (October Heat)

- विशिष्ट मौसम स्थितियों के कारण भारतीय उपमहाद्वीप में अक्टूबर को 'अक्टूबर की गर्मी' के रूप में जाना जाता है।
- अक्टूबर और नवंबर के दौरान, जैसे-जैसे सूर्य दक्षिण की ओर बढ़ता प्रतीत होता है, उत्तरी मैदानों पर मानसून गर्त कमजोर हो जाता है और धीरे-धीरे उच्च दबाव प्रणाली को रास्ता देता है।
- इस अवधि के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून हवाएँ कमजोर होने लगती हैं और पीछे हट जाती हैं।
- अक्टूबर की शुरुआत तक, मानसून उत्तरी मैदानों से पीछे हट जाता है, जो बरसात के मौसम से शुष्क सर्दियों की स्थिति में संक्रमण का प्रतीक है।
- मानसून के पीछे हटने से आसमान साफ हो जाता है और तापमान बढ़ जाता है। दिन का तापमान अधिक होता है, जबकि रातें ठंडी और सुहावनी हो जाती हैं।
- दिन के दौरान मौसम गर्म और आर्द्र होता है क्योंकि सूर्य ऊँचाई पर होता है और जमीन से गर्मी को अवशोषित करता है। रातें ठंडी होती हैं क्योंकि सूर्य नीचे होता है और जमीन से गर्मी को छोड़ती है।
- इस विशिष्ट मौसम की स्थिति को अक्सर "अक्टूबर की गर्मी" के रूप में जाना जाता है।
- भारत में, रिट्रीटिंग मानसून का तात्पर्य उत्तर भारत से दक्षिण-पश्चिम मानसून हवाओं की वापसी से है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

ला बे - मशरूम कॉफी ब्रांड







ला बे के बारे में:

- ला बे केरल का पहला मशरूम कॉफी ब्रांड है, जिसे कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से विकसित किया गया है।
- ला बे की सफलता ने थलावूर पंच हयात को क्षेत्र में मशरूम की खेती का विस्तार करने के लिए 'कून ग्रामम' परियोजना शुरू करने के लिए प्रेरित किया।
- 'कून ग्रामम' परियोजना का उद्देश्य मशरूम उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है और ला बे के उत्पादन के लिए स्थानीय रूप से खेती किए गए मशरूम का उपयोग करने की योजना है।
- ला बे वायनाड से पांच किस्मों के मशरूम - बटन, ऑयस्टर, मिल्की, लायन'स माने और टर्की टेल, साथ ही ऑर्गेनिक अरेबिका कॉफी बीन्स का उपयोग करता है।

Face to Face Centres





	<ul style="list-style-type: none"> ला बे की मशरूम कॉफी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर एक जैविक उत्पाद है। मिश्रण में प्रत्येक मशरूम की किस्म विशिष्ट स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है, उदाहरण के लिए, लायन'स माने एक संज्ञानात्मक क्षमता बढ़ाने वाला है, सनड्राइड ऑयस्टर मशरूम विटामिन डी से भरपूर हैं और टर्की टेल हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।
<p>बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान</p> 	<p>हाल ही में, 28 अक्टूबर से आईसीएस लेआउट में मौजूद बेंगलुरु तेंदुए की वन विभाग के कर्मियों द्वारा गोली मारने से मौत हो गई। बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान (बीबीबीपी) बेंगलुरु, कर्नाटक में स्थित है। इसकी स्थापना 2004 में हुई थी और इसे बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क (बीएनपी) से अलग किया गया था। इस पार्क को कर्नाटक चिड़ियाघर प्राधिकरण (ZAK) के अधिकार क्षेत्र में लाया गया है। बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान (बीएनपी), जिससे बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान बनाया गया था, को 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। वनस्पति: पार्क में विविध वनस्पतियाँ हैं, जिनमें झाड़ी-प्रकार (शुष्क पर्णपाती वन), दक्षिणी उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन और दक्षिणी उष्णकटिबंधीय नम मिश्रित वन शामिल हैं। जीव-जंतु: इस पार्क में पाए जाने वाले जीवों में हाथी, चीतल, भौंकेने वाले हिरण, धारीदार लकड़बग्घा, साही, मोर, तीतर, मगरमच्छ, कछुए, अजगर और तितलियों की विभिन्न प्रजातियाँ शामिल हैं। पार्क गोद लेने के लिए उपलब्ध जानवरों की एक सूची प्रदान करता है, जिसमें किंग कोबरा, भारतीय रॉक अजगर, काला हिरण, सांभर, एमु, गोल्डन जैकाल, भारतीय तेंदुआ, स्लॉथ भालू, दरियाई घोड़ा, बंगाल टाइगर, जिराफ जैसी प्रजातियाँ शामिल हैं।
<p>पृथ्वी पर क्षुद्रग्रह का प्रभाव</p> 	<ul style="list-style-type: none"> 66 मिलियन वर्ष पहले, एक क्षुद्रग्रह मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप से टकराया था, जिससे वैश्विक तबाही हुई थी। यह घटना पृथ्वी के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण विलुप्त होने वाली घटनाओं में से एक थी, जिसमें डायनासोर सहित लगभग 75% प्रजातियाँ विलुप्त हो गईं। तात्कालिक प्रभावों में जंगल की आग, भूकंप, शॉकवेव और समुद्र में भारी लहरें शामिल थीं। दीर्घकालिक प्रभावों में जलवायु आपदा के साथ आसमान में अंधेरा छा जाना और तापमान में भारी गिरावट शामिल है। प्रभाव स्थल से निकली धूल ने प्रकाश संश्लेषण और वातावरण को अवरुद्ध करके विलुप्त होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उत्पन्न धूल की कुल मात्रा लगभग 2,000 बिलियन टन थी, जो माउंट एवरेस्ट के वजन से 11 गुना अधिक थी। सिलिकेट कणों से बनी धूल, प्रभाव स्थल पर चूर्णित चट्टान से उत्पन्न हुई थी। पृथ्वी के तापमान में 15 डिग्री सेल्सियस की गिरावट का अनुभव हुआ, जिससे लंबे समय तक "प्रभावशाली सर्दी" रही। सल्फर लगभग 8-9 वर्षों तक वातावरण में बना रहा, जबकि कालिख और सिलिकेट धूल लगभग 15 वर्षों तक बनी रही, जिससे पर्यावरणीय प्रभाव बढ़ा।
<p>हीमोग्लोबिन</p> 	<p>हाल ही में, वैज्ञानिकों ने एक उल्लेखनीय खोज की है जिससे पता चलता है कि पारंपरिक रूप से रक्त से जुड़ा हीमोग्लोबिन, संचार प्रणाली के अतिरिक्त अन्य कार्य भी करता है। हीमोग्लोबिन के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) में पाया जाने वाला एक प्रोटीन है जो फेफड़ों से शरीर के विभिन्न ऊतकों और अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है। हीमोग्लोबिन चार प्रोटीन अणुओं (ग्लोबुलिन श्रृंखलाओं) से बना होता है जो एक साथ बंधे होते हैं, प्रत्येक में एक लौह परमाणु होता है। हीमोग्लोबिन का प्राथमिक कार्य फेफड़ों में ऑक्सीजन के साथ जुड़ना और इसे ऊतकों में छोड़ना है जहां सेलुलर श्वसन के लिए इसकी आवश्यकता होती है। हीमोग्लोबिन शरीर के ऊतकों से कार्बन डाइऑक्साइड को साँस छोड़ने के लिए फेफड़ों तक वापस ले जाने में भी मदद करता है। हीमोग्लोबिन आरबीसी के लाल रंग के लिए जिम्मेदार है। हीमोग्लोबिन के कई आनुवंशिक रूप हैं, जिनमें हीमोग्लोबिन ए (एचबीए) वयस्कों में सबसे आम है। हीमोग्लोबिन एस (एचबीएस) सिकल सेल रोग से जुड़ा हुआ है। हीमोग्लोबिन परिसंचरण तंत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड के कुशल परिवहन में सुविधा होती है।
<p>समाचारों में स्थान</p> <p>बोलीविया</p>	<p>हाल ही में बोलीविया ने गाजा पट्टी पर इजराइल के हमलों के कारण इजराइल के साथ राजनयिक संबंध तोड़ने की घोषणा की है। बोलीविया (राजधानी: सुक्रे)</p> <p>भौगोलिक अवस्थिति: बोलीविया पश्चिम-मध्य दक्षिण अमेरिका में एक भूमि से घिरा देश है।</p> <p>राजनीतिक सीमाएँ:</p> <ul style="list-style-type: none"> बोलीविया की सीमा उत्तर और पूर्व में ब्राज़ील, दक्षिण-पूर्व में परागुवे, दक्षिण में अर्जेंटीना, दक्षिण-पश्चिम में चिली और पश्चिम में पेरू से लगती है। <p>भौगोलिक विशेषताएँ :</p> <ul style="list-style-type: none"> अल्टिप्लानो बोलीविया में एक ऊंचा पठार है, जो समुद्र तल से लगभग 4,000 मीटर (13,000 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। एंडियन क्षेत्र में स्थित टिटिकाका झील, दुनिया की सबसे ऊंची व्यावसायिक रूप से नौगम्य झील है और दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी झीलों में से एक है। सालार दे उयूनी, दुनिया का सबसे बड़ा नमक क्षेत्र, बोलीविया की सीमा के भीतर स्थित है। सांता क्रूज़ डे ला सिएरा सबसे बड़ा शहर और बोलीविया का प्रमुख औद्योगिक केंद्र है। बोलीविया कोका पत्ती की खेती और परिष्कृत कोकीन के उत्पादन के लिए जाना जाता है। 



2 November, 2023

समाचार में व्यक्तित्व

लीला ओमचेरी

लीला ओमचेरी (Leela Omchery) (31 मई 1929 - 1 नवंबर 2023):

एक निपुण भारतीय शास्त्रीय गायिका, संगीतज्ञ और लेखिका लीला ओमचेरी का जन्म तमिलनाडु के तिरुवत्तार में हुआ था।

योगदान:

- उन्होंने भारतीय संगीत से संबंधित कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं, जिनमें "इमॉर्टल्स ऑफ इंडियन म्यूजिक," "ग्लोनिंग्स इन इंडियन म्यूजिक," "इंडियन म्यूजिक एंड अलाइड आर्ट्स" (5 खंड शामिल हैं), "अभिनयसंगीतम," "केरलथिल लाम्य राचनकल" और "लीला ओमचेरियुडे पथंगला"

सम्मान और पुरस्कार:

- संगीत और संस्कृति के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें 2005 में प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार मिला।



POINTS TO PONDER

- ❖ वैश्विक सांस्कृतिक समझ के लिए 2023 ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार का विजेता किसे नामित किया गया है? - **नंदिनी दास (कोर्टिंग इंडिया: इंग्लैंड, मुगल इंडिया एंड द ओरिजिन्स ऑफ एम्पायर)**
- ❖ थाईलैंड का उच्चतम बिंदु कौन सा है? - **माउंट इंधानोन**
- ❖ कौन सी नदियाँ राजाजी टाइगर रिजर्व से होकर बहती हैं? - **गंगा और सौंग**
- ❖ वन्यजीव अपराध से निपटने के लिए वन्य जीवन (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2006 के तहत किस संगठन की स्थापना की गई थी? - **वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी)**
- ❖ कौन सा संगठन सड़क दुर्घटना डेटा को प्रबंधित करने के लिए APRAD को एक उपकरण के रूप में उपयोग करता है? - **यूनेस्केप (UNESCAP)**

Face to Face Centres

